

शब्द - वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है -

जैसे - क ल म = कलम, क म ल = कमल

विशेष - अर्थ के आधार पर भाषा की सबसे छोटी इकाई शब्द है।

वर्णमाला - वर्णों का व्यवस्थित समूह वर्णमाला कहलाता है -

जैसे - अ, आ, इ, ई, -----

वाक्य - शब्दों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है अर्थात् जब दो या दो से अधिक शब्द मिलते हैं और पूरे अर्थ का बोध कराते हैं, वाक्य कहलाता है -

जैसे - कृष्ण गाय चलाता है। राधा गाना गाती है।

वाक्यांश - 'वाक्य + अंश'

जब दो या दो से अधिक शब्द मिलते तो हैं, परन्तु पूरे अर्थ का बोध नहीं करा पाते हैं, वाक्यांश कहलाता है -

जैसे - जिसके जैसा कोई दूसरा न हो। ईश्वर पर विश्वास करने वाला।

पद - जब किसी शब्द को वाक्य में प्रयोग किया जाता है और उस शब्द का अन्य शब्दों के साथ सम्बन्ध स्थापित हो जाए तथा उस शब्द को व्याकरणिक रूप मिल जाए तो वह पद कहलाता है -

जैसे - महेश फुटबॉल खेलता है।
 ↓ ↓ ↓
 पदकर्ता पदकर्म पदक्रिया

विशेष - जब किसी शब्द को अकेला प्रयोग किया जाता है तो वह शब्द होता है लेकिन जब उसी शब्द को वाक्य में प्रयोग किया जाता है तो वह पद कहलाता है -

हल्/हलन्त- प्रत्येक व्यंजन वर्ण स्वर के सहयोग से बोला जाता है, जब व्यंजन में स्वर को अलग कर दिया जाता है तो वह व्यंजन अधूरा हो जाता है, इस अधूरेपन को दर्शाने के लिए व्यंजन के नीचे एक तिरछी रेखा खींची जाती है. उसे ही हल्/हलन्त कहते हैं-

जैसे- क-क+अ, की-क+ई, पे-प+ए, हो-ह+ओ

मात्रा- व्यंजनों के अनेक प्रकार के उच्चारणों को स्पष्ट करने के लिए जब उनके साथ स्वरों का योग होता है, तब स्वर का वास्तविक रूप जिस रूप में बदलता है, उसे मात्रा कहते हैं।

- लिखित रूप से भाषा की सबसे छोटी इकाई — वर्ण
- मौखिक रूप से भाषा की सबसे छोटी इकाई — ध्वनि
- भाषा की सबसे छोटी इकाई — वर्ण
- अर्थ के आधार पर भाषा की सबसे छोटी इकाई — शब्द
- भावार्थ के आधार पर भाषा की सबसे छोटी इकाई — वाक्य

स्वर - स्वतंत्र रूप से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ स्वर कहलाती हैं, अर्थात् वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता नहीं होती, स्वर कहलाते हैं -

अथवा

वे वर्ण जिनके उच्चारण में फुँफड़ों से छोड़े जाने वाली हवा वायुमंडल के किसी अवयव को स्पर्श किए बिना स्वतंत्र रूप से बाहर निकल जाती है, स्वर कहलाते हैं -

स्वरों की संख्या - 11 ⇒ अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
 मात्राओं की संख्या - 10 क्योंकि 'अ' की मात्रा नहीं होती - X । ि १ ७ ९ ८ ७ ५ ४ ३ २ १

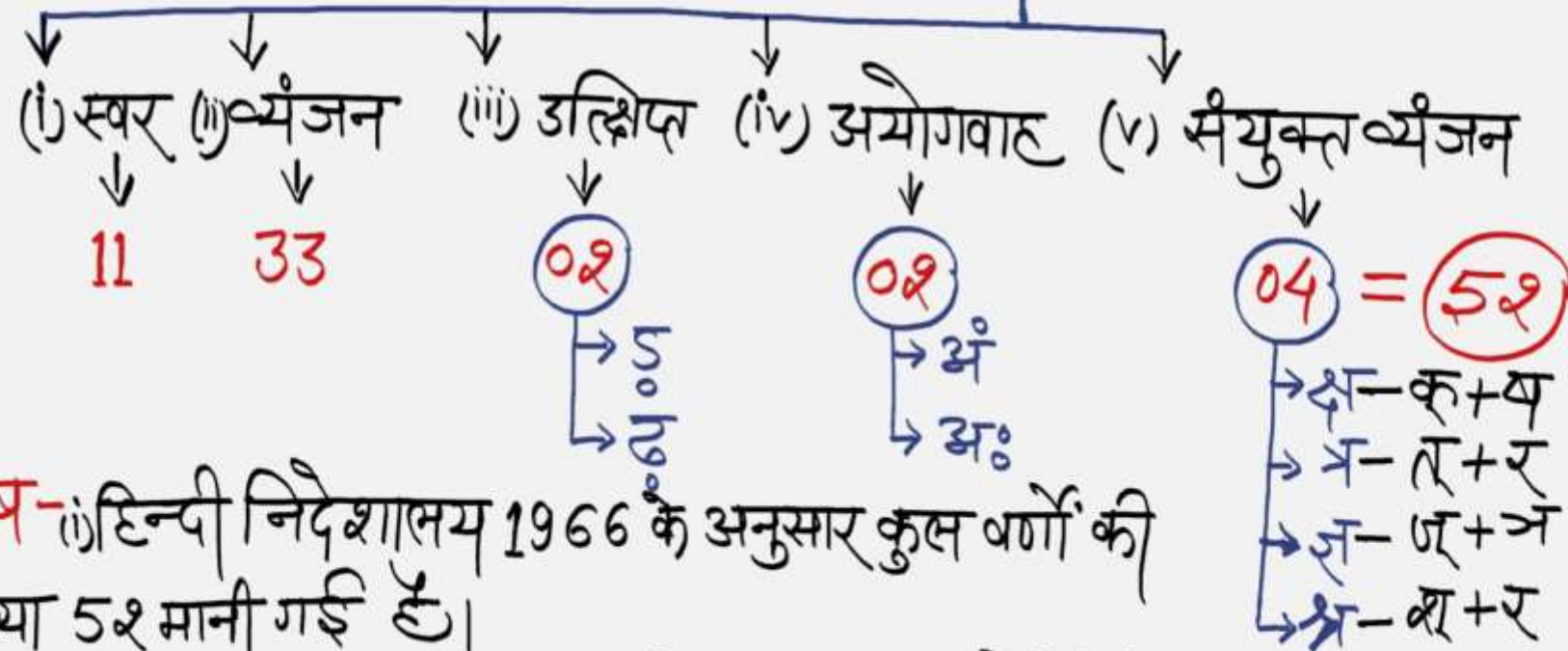
व्यंजन- वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता होती है, अर्थात् स्वरों के सहयोग से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ व्यंजन कहलाती हैं-

व्यंजनों की संख्या = 33 होती है-

- (i) → क से म तक = 25 ⇒ स्पर्श व्यंजन
 - (ii) → य, र, ल, व = 04 ⇒ अन्तःस्थ "
 - (iii) → श, ष, स, ह = 04 ⇒ ऊष्म "
- 33

हिन्दी वर्णमाला में वर्णों की संख्या - 44 स्वर - 11
व्यंजन - 33

हिन्दी वर्ण माला में कुल वर्णों की संख्या - 52



विशेष- (i) हिन्दी निदेशालय 1966 के अनुसार कुल वर्णों की संख्या 52 मानी गई है।

(ii) हिन्दी की मानक लिपि 'देवनागरी' के अनुसार कुल वर्णों की संख्या 52 मानी गई है।